कृष्ण की दीवानी बनकर

कृष्ण की दीवानी बनकर, मीरा ने घर छोड़ दिया
इक राजा की बेटी ने गिर,धर से नाता जोड़ लिया ॥

नाचे गाए, मीरा बाई, लेकर मन का इक तारा ।
पग में घुंघरू, गले में माला, भेष योगन का है धारा ।
*राणा कुल की, आन-बान को ॥, मीरा जी ने तोड़ दिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

भक्ति ज्ञान का, था इक तारा, हर घुँघरू में नाद भरा ।
हरि गायण में, वसे कन्हैया, भक्ति भाव में स्वाद भरा ।
*ज्योति से ज्योत, मिला दी उसने ॥, सबसे नाता तोड़ लिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सास कहे, कुल नाशी मीरा, लगे गले में फाँसी रे ।
कैसे जीना, होगा तेरा, जग करता है हाँसी रे ।
*मन के पिया की, बनी योगनियाँ ॥,
और तन के पिया को छोड़ दिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

साँप पिटारा, राणा भेजा, हार मौत के शुलों का ।
हँस करके, मीरा ने पहना, हार बन गया फूलों का ।
*प्रेम दीवानी, मीरा देखो ॥, मोह का बंधन तोड़ दिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

पी गई मीरा, बाई देखो, राणा के विष का प्याला ।
कौन बिगाड़, सका है उसका, जिसका गिरधर रखवाला ।
*गिरधर के रंग, में मीरा ने ॥, जग से नाता तोड़ लिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

श्याम शरण में, जो कोई जाए, वो श्याम का बन जाता ।
भक्त दयालु, भजन भाव में, मीरा के ही गुण गाता ।
*भव सागर से, तर गई मीरा, जग से बंधन तोड़ दिया,
कृष्ण की दीवानी बनकर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
*जय जय राधे, जय जय राधे, xII-IIII
हरे कृष्णा,,,धुन

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20011/title/krishan-ki-deewani-bankar-meera-ne-ghar-chod-diya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |